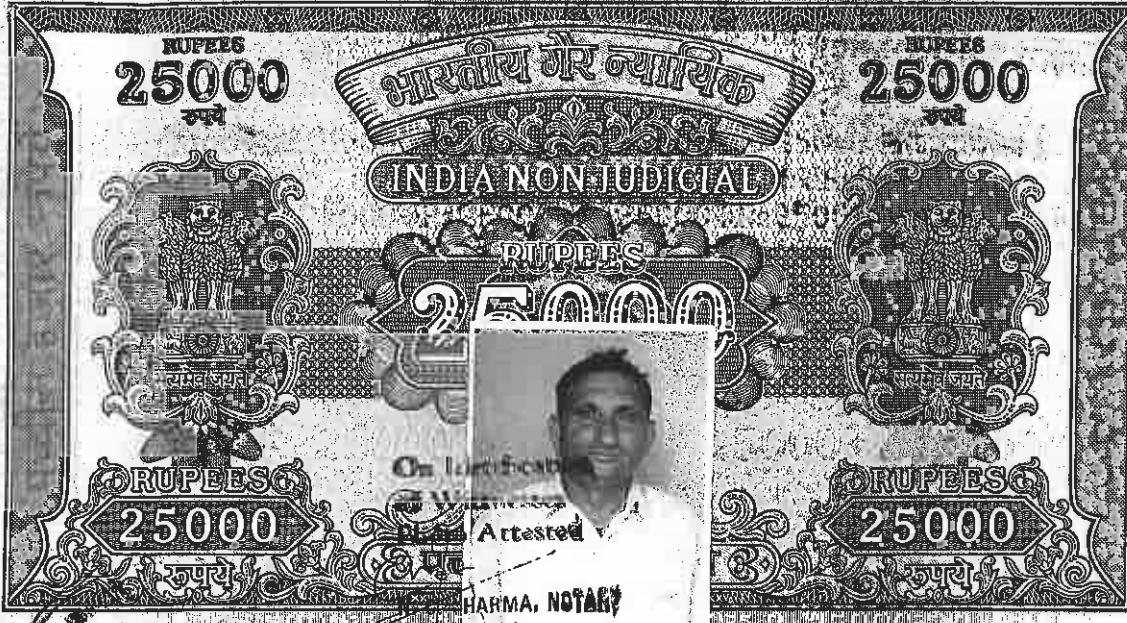


I-9800

143



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

विक्रय-पत्र

247949

बैनामा अंकन 12,50,000/- रुपये।
स्टाम्प अंकन 1,00,000/- रुपये।

विवरण विक्रय सम्पत्ति:- कृषि भूमिधरी के चक नं0-19 के मूल खेत नं0 62 रकबा 4-19-0 पुख्ता का 1/3 भाग सम्पूर्ण अपने मे से 1/2 भाग (अर्थात् सम्पूर्ण का 1/6 भाग) बकदर 0-16-10 पुख्ता को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर।

विक्रेता एवम् क्रेता दोनों अनुसूचित जाति एवं जनजाति से नहीं है।

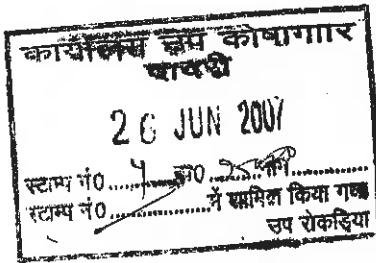
विक्रीत भूमि ग्राम समाज पट्टे व भूदान पट्टे आदि की नहीं है। संक्रमणीय भूमिधरी दर्ज है।

विक्रीत भूमिधरी भूमि जिसका सर्किल रेट 16,00,000/- रुपये प्रति हैक्टेयर का है। किन्तु क्रेता द्वारा सर्किल रेट से अधिक पर स्टाम्प शुल्क अदा किया गया है।

विक्रीत भूमि किसी जी0टी0रोड, राज्य रोड अथवा लिंक रोड पर स्थित नहीं है विक्रीत भूमि की बाबत क्रेता व विक्रेता दोनों पक्षों के मध्य पूर्व में कोई इकरारनामा माहदा वय पंजीकृत नहीं हुआ है।

2/11/2018

2/11/2018



मैमर्क डाकघर नम कोषागार 1202 बावडी
नमर्क 1000 नम कोषागार 1202 बावडी

वैनामा 12.50.000/- 5000 5000
उजस्त 201- 50201- 5000
श्री 201- 50201- 5000
पुत्र श्री 201- 50201- 5000
निवासी 201- 50201- 5000
ने कार्यालय सब बजिस्त बावडी जिला
गौतम बुद्ध नगर में आज दिनांक 26-6-07
समय मध्य 12-00-00 बजे प्रस्तुत किया।

सब रजिस्ट्रार बावडी
26-6-07

अमर

इस लेखपत्र का संपादन एवं इसमें लिखे

जरेबदल मु० 12.50,000/- पूरा किया गया।

जिसमें से

नगद मेरे समक्ष पाकर उक्त श्री 201- 50201- 5000

मुक्ति उक्त नम कोषागार में नम कोषागार

रिप्लेसमेंट प्राप्त किया, 1202 नम कोषागार

1000 नम कोषागार 1202 नम कोषागार

आता प्राप्त किया 1202 नम कोषागार

1202 नम कोषागार 1202 नम कोषागार

आता प्राप्त किया 1202 नम कोषागार





NOTARY
DADRI-INDIA
2
MTT. G. D. NAGAR

247950

* हम कि रामकिशन पुत्र स्व० श्री किशनलाल जाति ब्राह्मण निवासी ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जनपद- गौतमबुद्धनगर (विक्रेता, फरीक अव्वल)।

एवम्

मैसर्स आइन्सटीन रियलेटर्स प्राईवेट लिमिटेड, 1202 अन्तरिक्ष भवन, 10वां तल, कस्तूरबा गाँधी मार्ग, नई दिल्ली 110001 द्वारा प्राधिकृत हस्ताक्षरी गीता राम त्यागी पुत्र स्व० श्री दाताराम त्यागी निवासी के०एल० 57 कवि नगर गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) (क्रेता फरीक दोयम)।

विदित हो कि कृषि भूमिधरी के चक नं०-19 के मूल खेत नं० 62 रकबा 4-19-0 पुख्ता का 1/3 भाग सम्पूर्ण अपने मे से 1/2 भाग (अर्थात् सम्पूर्ण का 1/6 भाग) बकदर 0-16-10 पुख्ता को बैनामा हाजा में बेचा गया है स्थित ग्राम चमरावली रामगढ़, परगना व तहसील दादरी, जिला- गौतमबुद्धनगर, जिसका फरीक अव्वल एकमात्र मालिक व संक्रमणीय भूमिधर

21/11/11

21/11/11

गौतम बुद्ध नगर
 20 JUN 2007
 स्टाम्प नं० ४
 स्टाम्प नं० २५५
 में सम्मिलित किया गया
 उप रोका दिया

निजकी पहचान श्री हरीओम
 पुत्र श्री ओमप्रकाश शर्मा
 निवासी गंगपुर
 व श्री चरण सिंह
 पुत्र श्री राममन शर्मा
 निवासी कोट
 ने की

सब रजिस्ट्रार कार्यालय
 26/6/07

राम



हरीओम

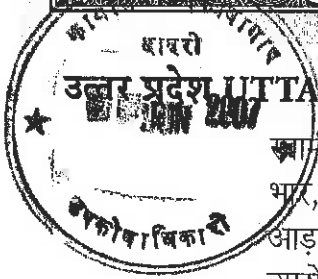
Chun



साक्षी भर प्रताप हात है चिह्न
 अंगुष्ठ नियमानुसार लिये गये है

उप निबन्धक

गौतम बुद्ध नगर



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

3

247951

स्वामी है। जोकि आज दिन तक फरीक अव्वल की ओर से हर प्रकार के भार, बंधक आदि से पाक साफ व सुरक्षित है। यानि कि किसी भी स्थान पर आड़, रहन, बय, हिबै, माहदाबय, जमानत आदि से ग्रस्त नहीं है तथा उपरोक्त भूमि की बाबत किसी भी न्यायालय में कोई वाद विवाद विचाराधीन नहीं है तथा फरीक अव्वल के अतिरिक्त अन्य कोई व्यक्ति हकदार या हिस्सेदार नहीं है। कोई कारण बाधा का उपरोक्त भूमिधरी भूमि को विक्रय करने में नहीं आता है। अतः फरीक अव्वल ने अपनी समस्त शुद्ध बुद्धि व स्थिर चित्त की दशा में खूब सोच समझ कर बिना किसी दबाव व बहकाव के उक्त भूमि को सर्व अधिकार सहित आज की बजार कीमत के बदले अंकन रुपये 12,50,000/- (बारह लाख पचास हजार रुपये मात्र) जिसके आधे अंकन रुपये 6,25,000/- होते हैं में इसी समय से हाथ उपरोक्त फरीक दायम को बेच दी तथा कतई वय कर दी तथा समस्त विक्रीतधन अर्थात् भूमि की कुल कीमत निम्नलिखित अनुसार प्राप्त करके बेची भूमि को कब्जे अधिकार अपने से फरीक दायम में देकर उस पर फरीक दायम को अपने ही समान मालिकाना मालिक काबिज व दखिल कर दिया है। अब बैय किये

वामन



कार्यालय जूध काबागाार
काबागाार
20 JUN 2007
स्टाम्प नं० ६३०२१११
स्टाम्प नं० ६३०२१११ में शामिल किया गया
उप रोका दिया





4

पश्चात विक्रीत भूमि के किसी भी अंश से फरीक अव्वल व वारिसान फरीक अव्वल का कोई वास्ता या ताल्लुक किसी भी किस्म का शेष नहीं रहा है तथा ना ही भविष्य में होगा। कब्जा मौके पर फरीक दोयम को बहैसियत मालिक पूर्ण रूप से करा दिया है। अब आज की तारीख से ही फरीक दोयम को सर्वथा हक व अधिकार होगा कि वह खरीदकर्ता कृषि भूमिधरी को जिस प्रकार चाहे प्रयोग मालिकाना अपने में लाकर चाहे जिस प्रकार से मालिकाना लाभ उठावें। यदि विक्रीत भूमि का कोई अंश किसी भी नुकश कानूनी कमी आदि के कारण से कब्जे मालिकाना क्रेता फरीक दोयम से निकल जावेगा या कब्जा फरीक दोयम को न मिले या फरीक अव्वल मालिकाना मालिक हस्ताक्षरकर्ता सिद्ध न हुआ या अन्य किसी कारण से कब्जे मालिकाना फरीक दोयम से कुल या आंशिक रूप से निकल जावेगी तो हर ऐसी दशा में फरीक दोयम को हक होगा कि वह उस समय की बजारू कीमत को जिस प्रकार चाहे बजरिये अदालत फरीक अव्वल व वारसान फरीक अव्वल की अन्य चल व अचल सम्पत्ति से वसूल कर लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। दाखिल

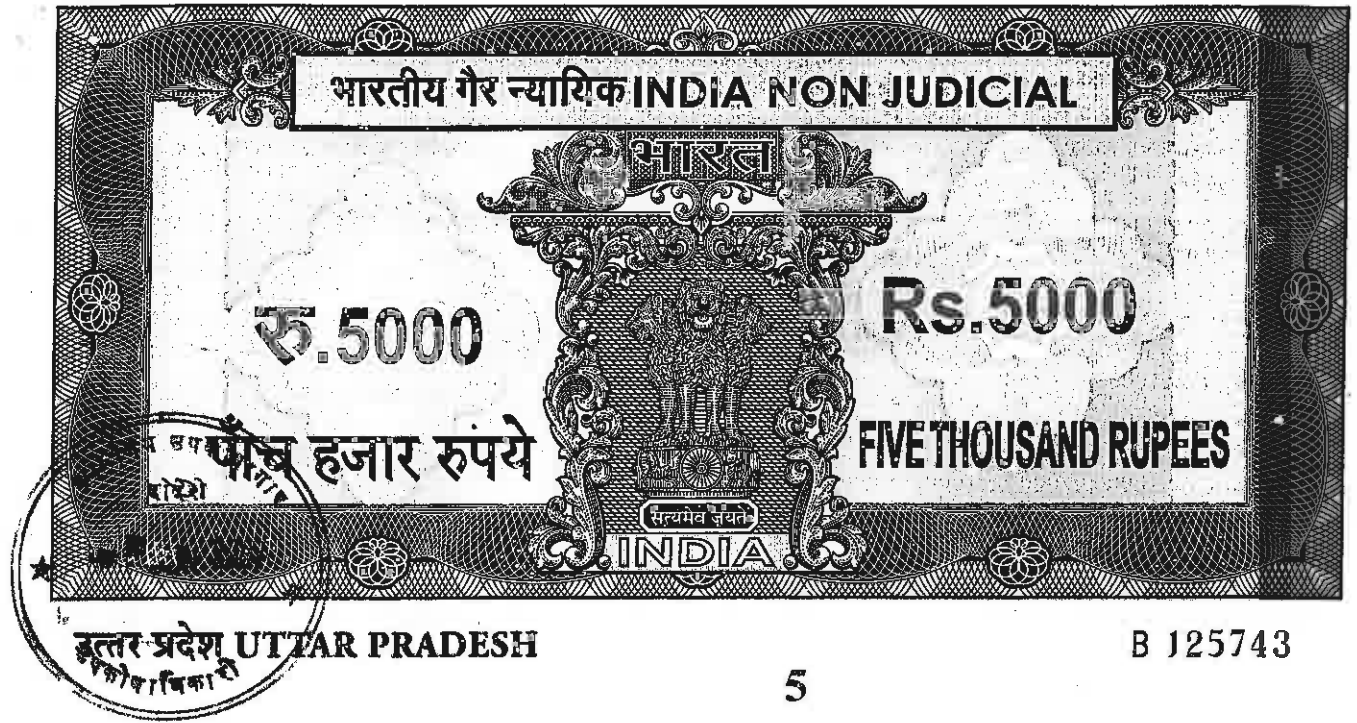
Signature

Signature



कार्यालय नमूने के अनुसार
स्थान
26 JUN 2007
स्थान नं० 750/1/2007
स्थान नं० 4 नमूने के अनुसार
रूप संकल्पित





खारिज बेची भूमिधरी का बनाम फरीक दोयम के करा दूँगा या फरीक दोयम इस विक्रय पत्र के आधार पर सरकारी अभिलेखों में अपना नाम स्वयं दर्ज करा लें तो कोई ऐतराज नहीं होगा। विक्रीत भूमि कृषि भूमि है तथा आस-पास भी कृषि भूमि है।

विवरण धन अदायगी :- 12,50,000/- रुपये पेशगी फरीक अव्वल (विक्रेता) ने फरीक दोयम (क्रेता) से प्राप्त कर लिये। अब कोई पैसा विक्रेता का क्रेता की ओर बाकी नहीं रहा है।

उपरोक्त लिखित दस्तावेज फरीक अव्वल व फरीक दोयम की जानकारी के आधार पर तैयार की गयी। दस्तावेज पर चस्पा फोटो गवाहों के कथन पर सत्यापित है। खेत का फोटो सलग्न है।

21/11/11

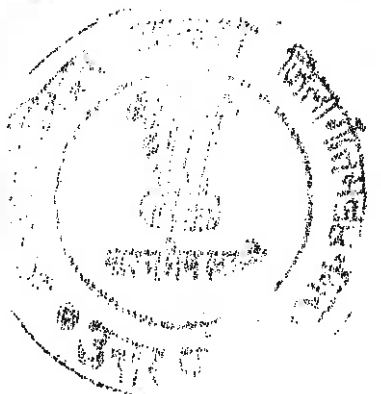


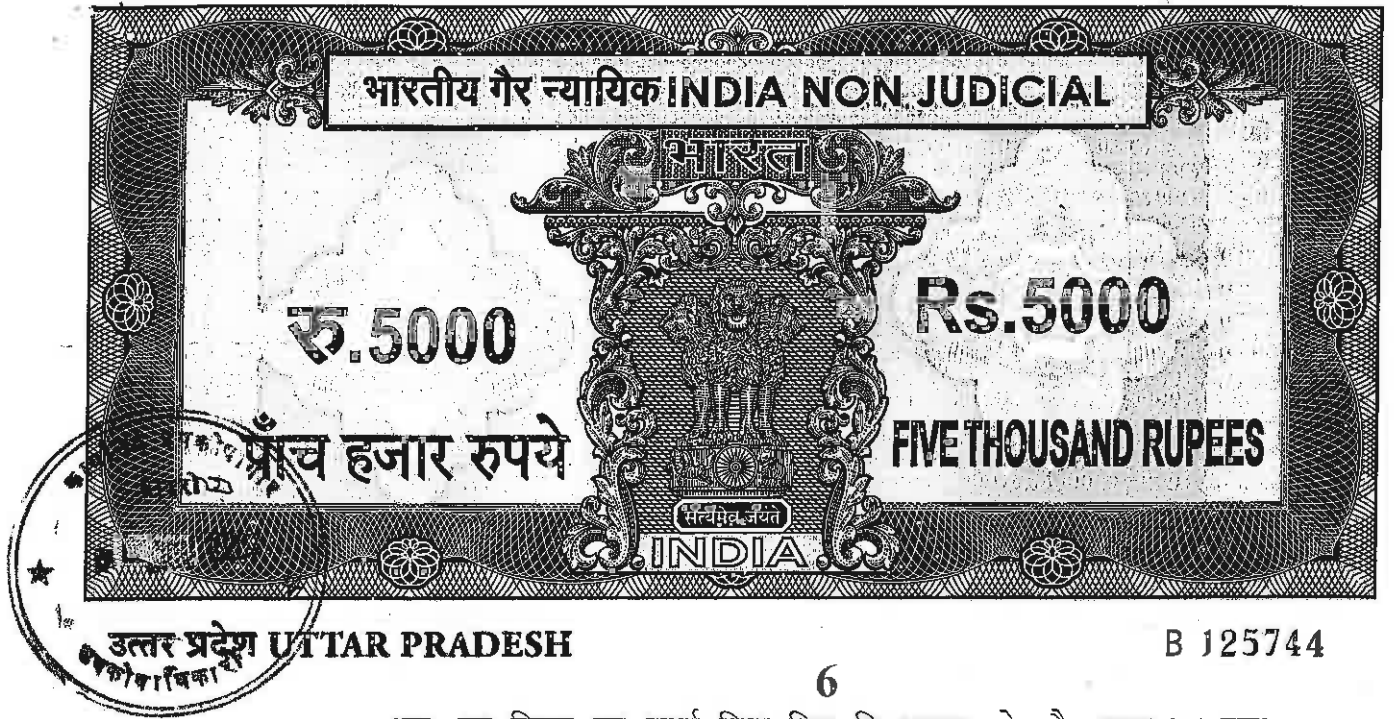


32 26/6/17
[Illegible text and stamp]

मार्ग नं. 9- [Illegible text] 1202 [Illegible text] 1000 [Illegible text]

व्यक्ति कुमार [Illegible text]
का. नं. 9- [Illegible text] 200 8
पहली कम्पलेंट [Illegible text] 15000/-





अतः यह विक्रय पत्र कर्तई लिख दिया कि प्रमाण रहे और वक्त पर काम आवे। इति॥

गवाह - 1 हरिऔध
हरिऔध १/०६/०७ कोमप्रकाश
नरकालपुर

गवाह - 2 Chandra Prakash
Munim - Kot
G. B. Nagar

तारीख 26-06-2007 ई० मसौदाकर्ता राधेश्याम अग्रवाल, बैनामा लेखक, दादरी
(गौतमबुद्धनगर) लाइसेन्स नं०-1

बैनामा लेखक
बहुशील-दादरी
गौतमबुद्धनगर

33
 32
 26/6/07
 श्री/अडिटर गेनेरल का हस्ताक्षर

श्री/अडिटर गेनेरल का हस्ताक्षर
 वा. नं. 9- अगति 1-3-200
 लखनऊ कम्प्यूटर सेंटर
 पिता सीमा 15000/-

26/6/07
 आज दिनांक का माह
 प्रति पुस्तक संख्या खण्ड संख्या
 35 748
 के पृष्ठ पर क्रम संख्या
 366 9800
 पर रजिस्ट्रीकृत किया गया।

उप निबन्धक
 लखनऊ

